



Gainer Academy

CLASS - 11TH

Psychology (मनोविज्ञान)

Chapter - 1

What Is Psychology ?

मनोविज्ञान क्या है?



www.gaineracademy.in



Gainer Academy





Lesson-1

मनोविज्ञान क्या है ?

- मनोविज्ञान की उत्पत्ति : दो ग्रीक शब्द

साइके
(आत्मा या मन)

लॉगोस
(अध्ययन)

- मनोविज्ञान का अर्थ : मनोविज्ञान एक ऐसा विज्ञान है जो प्राणी के व्यवहार तथा मानसिक प्रक्रियाओं का अध्ययन करता है।
- मनोविज्ञान का विकास : मनोविज्ञान एक नवीन विषय है इसका इतिहास लगभग 130 वर्ष पुराना है।
- पहली प्रयोगशाला : जर्मन के लिपजिग विश्वविद्यालय में
- वर्तमान समय में मनोविज्ञान की स्वीकृत परिभाषा :
 - मनोविज्ञान : आत्मा के विज्ञान के रूप में।
 - मनोविज्ञान : मन के विज्ञान के रूप में।
 - मनोविज्ञान : चेतना के विज्ञान के रूप में।
 - मनोविज्ञान : व्यवहार के विज्ञान के रूप में।
- औपचारिक रूप से मनोविज्ञान किन-2 चीजों का अध्ययन करता है : मनोविज्ञान को मानसिक प्रक्रियाओं, अनुभवों एवं विभिन्न संदर्भों में व्यवहारों का अध्ययन करने वाले विज्ञान के रूप में परिभाषित किया जाता है।



Date..... 2

- मानसिक प्रक्रियाएँ : बात को जानने या उसका स्मरण करने के लिए चिंतन करना अथवा समस्या का समाधान करना ।
- अनुभव : अनुभव स्वभाव से आत्मपरक होते हैं । किसी भी वस्तु या कार्य के बारे में ज्ञान । ज्ञान प्राप्ति ही अनुभव है ।
- व्यवहार : व्यवहार वातावरण में स्थित उद्दीपक के प्रति प्राणी की अनुक्रियाएँ हैं ।
- व्यवहार के प्रकार :
 - 1) प्रकट
 - 2) अप्रकट ।

मनोविज्ञान का विकास

- प्रथम प्रयोगशाला : विल्हेम वुण्ट (1879) जर्मन, लिपजिग
वुण्ट संयतन अनुभव के अध्ययन में रुचि ले रहे थे और मन के अवयवों अथवा निर्माण की रकड़ों का विश्लेषण करना चाहते थे ।
वुण्ट के समय में मनोविज्ञान अंतर्निरीक्षण द्वारा मन की संरचना का विश्लेषण कर रहे थे इसलिए उन्हें संरचनावादी कहा गया ।
- विलियम जैम्स : कैम्ब्रिज में प्रयोगशाला
→ इन्हीं मानव मन के अध्ययन के लिए प्रकार्यवादी उपागम का विकास किया ।



- बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में एक नयी धारा जर्मनी में गेस्टाल्ट मनोविज्ञान के रूप में बुण्ड के संरचनावाद के विरुद्ध आई ।
- व्यवहारवाद : संरचनावाद के विरुद्ध धारा ।
- जॉनवाटसन (1910) : मन एवं चेतना के विचार को मनोविज्ञान के केन्द्रीय विषय के रूप में अस्वीकार कर दिया ।
इवान पाव्लोव के प्राचीन अनुबंधन वाले कार्य से बहुत प्रभावित हुए ।
- प्रसिद्ध व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक : स्किनर
- सिगमंड फ्रायड : मनोविरलेषण मनोवैज्ञानिक
इन्होंने मानव व्यवहार को अचेतन इच्छाओं एवं इहों का गतिशील प्रदर्शन बताया ।
- कार्ल रोजर्स तथा अब्राहम मैस्लो : मानवतावादी
मानव की स्वतंत्र कामनाओं तथा उनके विकसित होने की उद्दम लालसाओं एवं अपने आंतरिक विभवों के मुखरित होने की इच्छाओं पर अधिक बल दिया ।
- गेस्टाल्ट उपागम के विविध पक्ष तथा संरचनावाद के पक्ष संयुक्त होकर संज्ञानात्मक परिदृश्य का विकास करते हैं ।



ज्ञान, ज्ञान होने की प्रक्रिया होता है। इसमें चिंतन, समझ, प्रत्यक्ष, स्मरण करना समस्या समाधान तथा अन्य अनेक मानसिक प्रक्रियाएं आती हैं।

- **पियाजे :** बाल विकास के विषय में पियाजे के सिद्धांत को मानव मन के विकास का निर्मितपरक सिद्धांत कहा जाता है।
इन्का मानना था कि बच्चे अपने मन का निर्माण सक्रिय रूप से करते हैं।

✽ भारत में मनोविज्ञान का विकास ✽

- **प्रथम प्रयोगशाला :** कलकत्ता (1915)
- **प्रोफेसर जी. बी. एस. :** इंडियन साइकोनेलिटिकल एसोसिएशन में (1922)
इन्होंने भारत में मनोविज्ञान के आरंभिक विकास को प्रभावित किया।
- **दुर्गानन्द सिन्हा की पुस्तक :** 'साइकोलाजी इन द ईस्ट वर्ल्ड कन्ट्री' :
द्वि इंडियन एक्सपीरियन्स (1936)

* आधुनिक मनोविज्ञान के विकास में कुछ रोचक घटनाएं :

- 1879 → **विल्हेम वुण्ड** ने लीपजिग जर्मन में प्रथम मनोविज्ञान प्रयोगशाला को स्थापित किया।
- 1890 → **विलियम जैम्स** ने 'प्रिंसिपल ऑफ साइकोलाजी' प्रकाशित की।
- 1900 → **सिगमंड फ्रायड** ने मनोविरलेषवाद का विकास किया।



1905 → बीने एवं साइमन द्वारा बुद्धि परीक्षण का विकास ।

1912 → जर्मन में गेस्टाल्ट मनोविज्ञान का उद्भव हुआ ।

1924 → जॉन. बी. वाटसन ने व्यवहारवाद पुस्तक लिखी जिससे व्यवहारवाद की नींव पड़ी ।

1951 → मानववादी मनोवैज्ञानिक कार्ल रोजर्स ने रोगी-केंद्रित चिकित्सा प्रकाशित की ।

1954 → मानवतावादी मनोवैज्ञानिक अब्राहम मैस्लो ने 'मोटिवेशनल स्ट्रंजर्स' प्रकाशित की ।

1954 → इलाहाबाद में मनोविज्ञानशाला की स्थापना ।

1955 → बंगलौर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ स्टंड न्यूरोसाइंसेस की स्थापना ।

1989 → नेशनल अकेडमी ऑफ साइकोलॉजी (NAOP) इंडिया की स्थापना ।

1997 → गुडगांव, हरियाणा में नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर (NBRC) की स्थापना ।

मनोविज्ञान की शाखाएँ

- 1) संज्ञानात्मक मनोविज्ञान
- 2) जैविक मनोविज्ञान
- 3) विकासात्मक मनोविज्ञान
- 4) सामाजिक मनोविज्ञान ।
- 5) अतः सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक मनोविज्ञान
- 6) पर्यावरणी मनोविज्ञान



- 7) स्वास्थ्य मनोविज्ञान
- 8) नैदानिक एवं उपबोधन मनोविज्ञान
- 9) औद्योगिक / संगठनात्मक मनोविज्ञान
- 10) शैक्षिक मनोविज्ञान
- 11) क्रीड़ा मनोविज्ञान ।

* अनुसंधान एवं अनुप्रयोग के कथ्य

- दो प्रकार के कार्य :
- 1) मनोविज्ञान में अनुसंधान
 - 2) मनोविज्ञान के अनुप्रयोग ।

मनोविज्ञान के अनुसंधान एवं अनुप्रयोग को दिशा प्रदान करने वाले कथ्य :

कथ्य 1 : अन्य विज्ञानों की भाँति मनोविज्ञान व्यवहार एवं मानसिक प्रक्रियाओं के सिद्धांतों का विकास करने का प्रयास करता है ।

कथ्य 2 : मानव व्यवहार व्यक्तियों एवं वातावरण के लक्षणों का एक प्रकार है ।

कथ्य 3 : मानव व्यवहार उत्पन्न किया जाता है ।

कथ्य 4 : मानव व्यवहार की समस्त संस्कृति निर्मित होती है ।

कथ्य 5 : मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग द्वारा मानव व्यवहार को नियंत्रित एवं परिवर्तित किया जा सकता है ।



कार्यस्थ मनोवैज्ञानिक

- 1) नैदानिक मनोवैज्ञानिक : व्यावहारिक समस्याओं वाले रोगियों की सहायता करने की विशिष्टता रखते हैं। वे अनेक मानसिक व्यक्ति क्रमों तथा दुरिचता, भय या कार्यस्थल के दबावों के लिए चिकित्सा प्रदान करते हैं।
- 2) उपबोधन मनोवैज्ञानिक : अभिप्रेरणात्मक एवं संवेगात्मक समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए कार्य करते हैं।
- 3) सामुदायिक मनोवैज्ञानिक : प्रायः सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं।
- 4) विद्यालय मनोवैज्ञानिक : शैक्षिक व्यवस्था में कार्य करते हैं तथा उनकी भूमिका उनके प्रशिक्षण स्तर के अनुसार बदलती रहती है।
- 5) संगठनात्मक मनोवैज्ञानिक : संगठन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका निर्बुद्धन में आने वाली समस्याओं को समझने में अपनी महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करते हैं।

About

WELCOME TO GAINER ACADEMY

I am Pankaj Verma Welcome to Our Study Verse Learn Anything, Anywhere, Anytime. Improve your skills with our Tutorials. Unlock your potential and achieve success with us and Unleash your inner genius with our expert guidance.

We are offering a wide range of educational programs for all age groups and all standard. We have dedicated teachers for helping students to reach their full potential and also guide students of their journey to success.

we are also available on



www.gaineracademy.in



GAINER ACADEMY



gaineracademy@gmail.com



[gainer_academy](https://www.instagram.com/gainer_academy)

